

आन्ना भूकथि

2953

NOTES ARCHIVES

आन्ध्र-प्रदेश

2953

INDIAN ARCHIVES

१३ का नात्यनशु कारं म धा सि लास नरुते, वाधिगा मुदे

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥
शुभं कार्त्तुं दिव्यं कार्त्तुं यत्किञ्चन गम्यते तत्कृत्वा का गतं मम हस्तं यत्किञ्चन
विविधं मम गतं तत्कृत्वा दत्तं दत्तं यत्किञ्चन गम्यते तत्कृत्वा का गतं मम हस्तं
यत्किञ्चन गम्यते तत्कृत्वा दत्तं दत्तं यत्किञ्चन गम्यते तत्कृत्वा का गतं मम हस्तं
सायादि सगितं कुरु स्वा मिना निधय ॥ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥
कल्याणा जाल मर्क कुर्यात्स्या धियर्ग सिध सिधिनयं मरुत् सर्व कार्त्त ॥ २ ॥

यिचकौ॥यथावेरुङ्ककाटिकाटिविकटयअमृनुलोत्सवेखककमधूयानलंय
 मठयास्मनिशिदिदियाअमिस्थनयवायवाधनकयीरुन्नस्यविक्रायनिथ
 ककमनिशि४मयाठुत्तगवान्शीयमृनुत्यम्वलस्य२॥डंनम४शीयमृनुत्य
 म्ववाय२॥डंनम४शीयकसम्ववाय४॥नमस्काव॥डंनमशीयकसम्ववाय
 ॥जाव॥धमधुकिनहृदयानन्दकालि॥काशक॥जगजानन्दलोचन॥जाव
 ॥कमलासनस्तुसगिवन्नधवाकालंकमल॥काशक॥सहजानन्दकालिका॥

जाव॥निखिचकिनहृदयाज्ञादसुन्दरं॥काशक॥नरुक्तमश्नुकमाया॥त्वाकजाव॥०॥
 ॥गगर्भधाली॥विद्यमन्त्रावृद्धविन्दुर्विदा२भाकावपुत्रीयायीतसुसंज्ञा॥॥नमा
 मि३वागीश्वरसचमनिहृदया२विश्वसयिकृतीगा२सनाहृदयमयलकिनहृदया
 ॥॥यिगनीलापुष्टीमिगवयर्न२यश्चकिनमेकदासतिचयर्न॥॥धर्मवक्त्रम
 दाकूलीसमलामि२यश्चवाययिषस्तुवस्वर्न॥॥सुवासुवनमितवववव२
 रुनयियवमादिवक्त्रकिनगुहववर्न॥०॥—॥॥

महाभारत

॥ वागसेवधि ॥ मध्यमममममनिकमैतवाजाजिक यस्मादिदं दृष्टं जम्बुद्विपं २ अथ यत्र
दायनिष्ठं ललकं वृद्धं वनं यत्र वृद्धं यत्र जिनः शायि यत्र ॥ ॥ नमयश्च वृद्धं विश्व
धीजिगं विश्वदृष्टं विश्वलुगं यत्र मन्त्रि २ अथ दिवान्नमराशक्तिजिनसमानशाहन
लुगयतिमिरयनधावययं ॥ ॥ जागवदं नस्यशाडयदियं जाडयदियनकु ॥
न २ स्वसनजाडयदिय वददिगं रुन जाडयदिय श्रीस्वयं ॥ ॥ दिवदययाचे
यनरवधिवर्यविच सफ सुखादयत्र विद्या २ अथ वाद्यविद्यया यत्र वका म

महाभारत

मित्रालनिधिनखिववदयं ॥ ॥ अथ ववनमिवलस्यसा रक्तिजिनसंगा
नैयविशवना मनकसमडदयलिसरु विद्यजा २ अथ वयविशवना सफयविद्यु
सा रुवजवधिसावननसुखरु ॥ ॥ वागसेवधि ॥ निमानालिवरुयष्टि
दमसवावृद्ध मध्यगतकादि वृनादवृथि २ समिलयलिक साधगमिनि नवनिन
सुकायमकावनादवृथि ॥ ॥ नैनामिदेवी श्रीवदविनामिका विरुवदव
न कासमस्तनदवी २ आदियानयनगिविकामत्र यथीरुग शुविशुद्धमधुल

कलसलजावसयलिरविमसुसुलवकाया॥ ॥उमउकवयिथा॥
 कोउनआमददुवकवयिथा॥वेकवावादिआविर्गनसमवकवयिथा॥
 हृमिसविलविचग्वसकदिकदिगदिगदिअहसमभन॥अनूहकसवेदव
 वजखदधदवीमिभक्तिवयनसहाव॥ ॥शिशुवनकुम्भएकवायरावादा
 शुवनकुम्भएकविषयविला॥शिनिरुवनधवनानकयधालिवरुविथाउयवा
 वावा॥ ॥अदिनीसंघटशुववावाकुलारुह्यदिकुवरावशुवावा॥उवम

सलनरुचयधनह्यदिकुवरावशुवावा॥ ॥१वागनाट॥वक
 वजलशिनियायनसभवि॥अहगदधरुजायदवनकिल(ध)॥ ॥कुम्भ
 वीवाउनिमासकिदवी॥उगगयसादिवमयनसुला॥ ॥आगमवेदय
 मानवखाने॥आगयममदिदाशुउडयदध॥ ॥यशुवृक्षसुसोउयकुम्भ
 ॥मयावजागिनीसाहकवुवकुवुव॥ ॥सटशुववनसिलेनकधविथा
 ॥रुनयवाकुवकुसुलासुवयि॥ ॥७॥ ॥वागर्गन्धोकेलवी॥नम॥४॥कुम्भ

॥ गं ना हूं हूं गं ना हूं हूं २ गं ना गं गं हूं हूं ॥

॥ ध्वजसूरीसंख्यानवदध्वज

॥ मायादक विनय ॥ १ ॥



॥ गनाहं हं गनाहं हं ॥

॥ निशवर्णचक्रवर्तु यत्किमखयि नशा यवमानदृशना

१७५

कृमिलक्ष्मी आद्यैवमेकविष्टास्त्रिणा॥

नादिर्गदिदिर्गं वा वा स्यादिजसदा

2011

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वाचस्पत्यभाष्य

८ वाक्षलियकाय

आशु वाक्षलिय

2953

ASHA B. 1955

ॐ नमः शिवाय ॥ वा धा डा या त्रि क रु न वृ धि ॥ हू यां सू ऊं रु न म स्का न या त्र क ॥ १२ ॥ थ नं लि या न वा स न आ रु य न आ या डी न क न च ड न न थ न र स सू र्य वि
 र वा या न थ क ल य सि धि मू रू क स क न म न ध नि थ य ना या डा डी ॥ ० ॥ थ
 न य नु म गु ल द न क म न सि धि मू रू क स क न थ नि यु जा या त्र क ॥ ग णा स क मि का
 न य न ॐ व रु न न गु न क रु स्वा हा ॥ ॐ न र स स्वा न वा य क ॥ ० ॥ ॐ व रु दि वा क न ल
 र ना य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ द धू ॥ ॐ आ दि ता य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ ह व न ॥
 ॐ नमः ॥ सू र्य य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ र उ स ॥ ॐ आ ॥ र्क दा य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥
 थ डी न ॥ ॐ आ नी ना न म ॥ र उ स ॥ थ नि म ध्र स ॥ ० ॥ ॐ आ स सा स य व रु य थ य नि
 रु स्वा हा ॥ य र्व ॥ ॐ आ ॥ ला दि ना य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ द रु न ॥ ॐ आ ॥ ला दि हा

य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ य दि ॥ ॐ आ ॥ वा ना य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ ड र्क न ॥ ॐ आ ॥ ग
 वा य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ अ य ॥ ॐ आ ॥ नि ध्र ना य व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ ने म य ॥ ॐ
 आ ॥ वा रु व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ वा य य ॥ ॐ आ ॥ क रु व रु य थ य नि रु स्वा हा ॥ रु ॥ ॐ
 थ रु द धू म गु ल ॥ थ न लि अ ला सि नि न क न वा य दी र्गो क स रु न वा य ॥ ० ॥ रु दि वा य
 रु हा ॥ ॐ ला दि हा य रु हा ॥ ॐ रु ग सि ला य रु हा ॥ ॐ आ दा य रु हा ॥ ॐ य न व रु व रु हा ॥ ॐ य
 र्थ य रु हा ॥ ॐ अ य रु हा ॥ १ ॥ थ नि य र्व ॥ ॐ म घा य रु हा ॥ ॐ य र्व रु रु हा ॥ ॐ
 ड रु रु रु हा ॥ ॐ रु रु य रु हा ॥ ॐ वि ना य रु हा ॥ ॐ रु नि र्थ रु हा ॥ ॐ वि सा वा र्थ रु हा ॥
 ॥ १ ॥ थ नि द दि न ॥ ॐ अ न ना धा य रु हा ॥ ॐ रु रु र्थ रु हा ॥ ॐ म ना र्थ रु हा ॥ ॐ य र्व रु
 धा य रु हा ॥ ॐ ड ना य रु हा ॥ ॐ अ वि दि य रु हा ॥ ॐ स न व ना य रु हा ॥ १ ॥ थ नि य कि म

॥ **उं** धनराय स्वाहा ॥ **उं** सकलित्वाय स्वाहा ॥ **उं** पूर्वहृदाय स्वाहा ॥ **उं** उरुदाय स्वाहा ॥ **उं** अवकित्य
 स्वाहा ॥ **उं** अमृतनिय स्वाहा ॥ **उं** अननिय स्वाहा ॥ १ ॥ **थ** मिडलन ॥ दक्षनासिवाय ॥ **उं** म
 खनासिवाहा ॥ य ॥ **उं** रुद्रनासिवाहा ॥ द ॥ **उं** मिथुननासिवाहा ॥ य ॥ **उं** कर्कतना
 सिवाहा ॥ उ ॥ **उं** सिंहनासिय स्वाहा ॥ अ ॥ **उं** कननासिय स्वाहा ॥ ने ॥ **उं** कुनलासि
 य स्वाहा ॥ वा ॥ **उं** विष्णुनासिय स्वाहा ॥ ॐ ॥ **उं** धमनासिय स्वाहा ॥ य ॥ **उं** मकनासिय स्वा
 हा ॥ द ॥ **उं** कुरुनासिय स्वाहा ॥ य ॥ **उं** मिननासिय स्वाहा ॥ उ ॥ १२ ॥ गददि ॐ द्वादि
 दक्षनाय स्वाहा ॥ ० ॥ **ॐ** द्वाय स्वाहा ॥ य ॥ **उं** माय स्वाहा ॥ द ॥ **उं** नूनाय स्वाहा ॥ य
 ॥ **उं** यनाय स्वाहा ॥ उ ॥ **अ** लेय स्वाहा ॥ अ ॥ **अ** नेय स्वाहा ॥ ने ॥ **वा** य स्वाहा ॥ वा ॥ **ॐ**
 ॥ **अ** य स्वाहा ॥ ॐ ॥ **उं** देवद स्वाहा ॥ थ वन ॥ **अ** र्वय कित्य स्वाहा ॥ कान ॥ **थ** न स्वा न च

क्षन कर्त्य लाडाना ॥ लाम थन अर्घ्याच कर्णस इड आ दम गाय दाला न स्वा न कर्त्य
 त्वडा अगु नान कर्कस अर्घ्याच के ॥ ० ॥ **उं** नमः रगवत्य आदित्याय अनूनसहिना
 य वाक्काटन यर्षना गवध्वक कुरुमसे दसय न कवा हा यथन कन गधर्व य दय विना
 य उर्जना जथ समानुधाय दवदानव कुरु ॐ किनली के नसदिनाय अवनन २ रगवन
 मनूथानादिनाय ॐ द्वा हसुल गध्व अनूय वस ॐ दं अरु गध्व यथय दियाय हा
 न वनीचय कि गुरुका २ नमः ॐ जसकि य के कत्ययति कला रवे सा किय कि कुरु उदि
 वा कन ला व नाय आदित्याय अर्घ्यपति स्वाहा ॥ ० ॥ **सं** खस यथ यदान यजा द
 धि संख उयानी रं कि लादिन न नमः रुर्वन मामि ॥ **अ** णिन दह सर मकूट यय नं उ
 मि ॥ ० ॥ **थू** ति धून दार्म थन हस मन जा या र्थ यजा या चा के खान न न के ॥ ० ॥ **य** वा

पुस्तकसंकाशं, काव्ययमद्विती, तन्मासि सर्वेयार्थं, यन्मासिदिवाकन, सूर्ययदवा
 यः ॥ १ ॥ सयद्वन, अथाव्यः ॥ २ ॥ विसृजन्, विनयज्ञा, आसिवाग, त्वसचाय
 कच्छय, कृत्स्नं, सिधुमनिनडाकाय, इह न हाय कनच्छय, थान ॥ ३ ॥ ससदडाकयकच्छ
 य ॥ ४ ॥ धनलिच्छसकसयज्ञा, कामानीयज्ञाच्छय, दगुनीसमय, आच्छस, समयाचक ॥
 धूनिधूनदात्यं, सयनवियकी, गनयाचक ॥ • ॥ ५ ॥ तिवाध्यायावाचिग, हन
 वृद्धिः समापः ॥ ६ ॥ ॥ १ ॥ वाध्यायक १ २ कृत्स्नं कृत्स्नं निधियक नयम नडा ॥
 १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

१३ काशयज्ञोकारं मध्यसिरासनं वाधिगाम्दयायुतनमावेनायनकीनः॥
१४ काशयज्ञोकारं यवगजासनं रोगाद्यभयदिनवृद्धौ नानमाशौ कृत्वा यथायत्नं
१५ काशयज्ञोकारं दक्षीणध्यासनं विवदना